पाठ्यचर्या

(Syllabus)

बी.ए. मानवविज्ञान

सत्र 2020 से लागू

विश्वविद्यालय द्वारा अधिमान्य LOCF पर आधारित

ज्ञान शान्ति मैत्री

मानवविज्ञान विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्याय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट – हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र – 442001

www.hindivishwa.org

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1.विश्वविद्यालय के उद्देश्य(Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियमके प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2.विद्यापीठ के लक्ष्य (Targetsof the School)

3.विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा:

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम ❖ स्नातक कार्यक्रम ✓ भारतीय संस्कृति के मूल्यों एवं मानवविज्ञान की अंतरानुशासनिक प्रकृति एवं उसके समग्रता के उपागम पर आधारित पाठ्यचर्या। साथ ही पाठ्यचर्या में मानवविज्ञान के नए क्षेत्रों पर विशेष बल। ✓ अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा।
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	विद्यार्थियों को क्षेत्रकार्य में दक्ष करना ताकि उनमें अनुसंधान की प्रवृत्ति और अकादमिक कौशल विकसित हो। साथ ही इससे रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।
शोध **Research**	विभाग द्वारा चिह्नित विशेषीकृत शोध-क्षेत्र (Research Areas specified by the Department) • चिकित्सा मानवविज्ञान • विकासात्मक मानवविज्ञान • साहित्य का मानवविज्ञान
	पी-एच.डी. कार्यक्रम (Ph.D. Programme) • सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान • मानव संसाधन प्रबंधन • चिकित्सा मानवविज्ञान • एथ्नोग्राफिक अध्ययन
	शोध-परियोजना (Research Project) • मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य • परंपरागत चिकित्सा एवं उपचार पद्धतियाँ
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	• कक्षा अध्यापन • समूह चर्चा • क्षेत्र सर्वे • क्षेत्रकार्य • सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	शोध एवं परियोजनाओं पर आधारित प्रकाशन

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग का नाम : मानवविज्ञान**

2. **पाठ्यक्रम का नाम : बी. ए.**

3. **पाठ्यक्रम कोड:** ANBA101-ANBA603

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
• विषय की अंतरानुशासनिक प्रकृति एवं उसके समग्रता के उपागम से ज्ञान अर्जित होगा। • भारतीय संस्कृति के मूल्यों की समझ विकसित होगी। • मानवशास्त्रीय सिद्धांतों एवं उपागमों के अनुप्रयोगों से विषय के नए क्षेत्रों की पहचान होगी।	• मानवशास्त्रीय कौशल द्वारा विद्यार्थी सामाजिक समस्याओं एवं मुद्दों की पहचान करने में सक्षम होंगे। • विद्यार्थी मानवशास्त्रीय ज्ञान द्वारा सामाजिक समस्याओं का निराकरण करने मे सक्षम होंगे। • विद्यार्थी मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण द्वारा सुसंगत तर्कों से नीतियों एवं सिद्धांतों का मूल्यांकन करने में दक्ष होंगे।	• अकादमिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर • प्रशासनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर • विकास के क्षेत्र में रोजगार के अवसर • चिकित्सीय क्षेत्र में रोजगार के अवसर

5. **पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):**
   - प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
   - क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
   - शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

   स्नातक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

विषय समूह	पहला सेमेस्टर	दूसरा सेमेस्टर	तीसरा सेमेस्टर	चौथा सेमेस्टर	पांचवा सेमेस्टर	छठा सेमेस्टर
	कंप्यूटर दक्षता **(अतिरिक्त अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	पर्यावरण **(अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार **(अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा **(अतिरिक्त अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भारतीय संस्कृति **(अनिवार्य-3)** 02 क्रेडिट	भारतीय चिंतक **(अनिवार्य-4)** 02 क्रेडिट
अनिवार्य (हिंदी)	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट
	समूह ख	**समूह ख**	**समूह ख**	**समूह ख**	**कोई एक चयनित विषय**	

विकल्प 1	06 क्रेडिट	06 क्रेडिट	06 क्रेडिट	06 क्रेडिट	09+ 09=18 क्रेडिट	
	समूह ग 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट		
विकल्प 2	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**कोई एक चयनित विषय** 09+ 09=18 क्रेडिट	
	18 क्रेडिट	**22 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**18 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**
	कुल क्रेडिट : 120 क्रेडिट+ 08 अतिरिक्त क्रेडिट					

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण

समूह-क	**समूह-ख**	**समूह-ग**	**अनिवार्यपाठ्यचर्या**	**अतिरिक्त अनिवार्यपाठ्यचर्या***
हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	1. संस्कृत 2. मराठी 3. उर्दू 4. अंग्रेज़ी 5. फ्रांसीसी 6. स्पैनिश 7. जापानी 8. चीनी	1. भाषाविज्ञान 2. इतिहास/राजनीतिविज्ञान 3. समाजशास्त्र/मानवविज्ञान 4. मनोविज्ञान/दर्शनशास्त्र	1.पर्यावरण 2.भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3.भारतीय संस्कृति 4.भारतीय चिंतक	1.कंप्यूटर दक्षता 2. भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (*स्नातक उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके अंक/क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।)

टिप्पणी:

1. **समूह-क** सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।
2. विद्यार्थी **समूह-ख**एवं **समूह-ग**से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं अथवा **समूह-गमें उपरिलिखित विषयों में** से किन्हीं दो विषयों का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थी किसी भी स्थिति में **समूह-ख**से 2 विषयों का चयन नहीं कर सकेंगे।

बी.ए. मानवविज्ञान

बी.ए. मानवविज्ञान पाठ्यक्रम (2020-21)

सी.बी.सी.एस./एल.ओ.सी.एफ. (आधारित)

प्रथम सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA101	आधारभूत मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANBA102	आधारभूत सामाजिक – सांस्कृतिक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	02

द्वितीय सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA201	जैविक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANBA202	अस्थिविज्ञान में प्रायोगिकी	कोर कोर्स	02

तृतीय सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA301	सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANBA302	शरीरमिति में प्रायोगिकी	कोर कोर्स	02

चतुर्थ सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA401	पुरातात्विक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANBA402	पुरातात्विक मानवविज्ञान में प्रायोगिकी	कोर कोर्स	02

पंचम सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA501	मानव संवृद्धि एवं विकास	कोर कोर्स	03
ANBA502	शोध पद्धतिशास्त्र	कोर कोर्स	03
ANBA503	मानवशास्त्रीय सिद्धांत	कोर कोर्स	03

षष्टम सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA601	भारत में जानजातियां एवं कृषक	कोर कोर्स	03
ANBA602	भारत में मानवविज्ञान	कोर कोर्स	03
ANBA603	क्षेत्रकार्य एवं क्षेत्र रिर्पोट	कोर कोर्स	03

बी.ए. मानवविज्ञान (प्रथम सेमेस्टर)

कोड: ANBA101- पाठ्यचर्या का नाम: आधारभूत मानवविज्ञान (क्रेडिट- 4)

घटक	घंटे
कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	8
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या विवरण

इकाई- 1. मानवविज्ञान **:** मानवविज्ञान का अभिप्राय, विषय परिचय तथा अध्ययन क्षेत्र; मानवविज्ञान की शाखाएं: सामाजिक- सांस्कृतिक मानवविज्ञान, जैविक मानवविज्ञान, प्रागैतिहासिक मानवविज्ञान एवं भाषा विषयक मानवविज्ञान। मानवविज्ञान का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

इकाई- 2. आधारभूत सामाजिक सांस्कृतिक मानवविज्ञान: संस्कृति एवं समाज की मानवशास्त्रीय अवधारणा। नृजातीयविज्ञान, नृजातिवर्णन, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन।

इकाई- 3. आधारभूत जैविक मानवविज्ञान: मानव उद्विकास (Human Evolution), मानव विभिन्नताएं (Human Variation) एवं प्रजाति (Race)।

इकाई- 4. आधारभूत प्रागैतिहासिक मानवविज्ञान: प्रागैतिहासिक संस्कृति की रूपरेखा। भाषाविषयक मानवविज्ञान की मूलभूत अवधारणायें।

2. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी मानवविज्ञान के अध्ययन क्षेत्र तथा अंतरानुशासनिक प्रकृति से परिचित हो पाएंगे।
2. मानवविज्ञान की शाखाओं के अंतर्संबंधों को समझेंगे।
3. सामाजिक सांस्कृतिक मानवविज्ञान, जैविक मानवविज्ञान, प्रागैतिहासिक मानवविज्ञान एवं भाषाविषयक मानवविज्ञान की मूलभूत अवधारणा को समझ पाएंगे।

3. पाठ्य चर्चा की अंतर्वस्तु (Contents of the course)

मॉडयूल संख्या	विवरण	व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्चाओं में प्रतिशत अंश
मॉड्यूल 1	1.मानवविज्ञान का विषय परिचय तथा अध्ययन क्षेत्र 2.मानवविज्ञान की शाखाएं	12	1	2	15	25 %

	3.मानवविज्ञान का अंतरअनुशासनिक प्रकृति					
मॉड्यूल 2	1.समाज एवं संस्कृति 2.नृजातिविज्ञान एवं नृजातिवर्णन 3.सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन	12	1	2	15	25 %
मॉड्यूल 3	1.मानव उदविकास 2.मानव विभिन्नताएं 3. प्रजाति	12	1	2	15	25 %
मॉड्यूल 4	1.प्रागैतिहासिक संस्कृति 2.भाषाविषयक मानवविज्ञान की अवधारणा	12	1	2	15	25 %
योग		**48**	**4**	**8**	**60**	**100**

अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

4. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा
विधियाँ	कक्षा एवं विद्यार्थियों से संवाद
तकनीक	व्याख्यान
उपादान	दृशयात्मक, पुस्तकें एवं पी.पी.टी

5 पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम .(CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x					x	x

टिप्पणी:

1 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

6. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

7. अध्ययन हेतु आधार/ सन्दर्भ ग्रन्थ (Text Book/ Reference/ Resources)

1. Jermaine R, Kilgore L, Trevathan W, Ciochon R.L.(2012). Introduction to physical Anthropology, WadsWorth Publ., USA.
2. Krober A.L.(91948). Anthropology, Oxford& IBH Publishing CO., New Delhi.
3. Davis K. (1981). Human Society, New Delhi: Surjeet Publications.
4. Ember C.R. et al, (2011) Anthropology. New Delhi: Dorling Kindersley.

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA102	**पाठ्यचर्या का नाम: आधारभूत सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 02
	सेमेस्टर:01	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	2
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: सामाजिकमानवविज्ञान का अर्थ एवं क्षेत्र :तिक मानवविज्ञानसांस्कृ -; मानवविज्ञान विषय की शाखाएं; संस्कृति, समाज, समुदाय, समूह, परिवार, विवाह, धर्म, नातेदारी

इकाई 2: अर्थव्यवस्था और समाज: उत्पादन की प्रक्रियाएं एवं वितरण, सरल और जटिल समाज में विनिमय और उपभोग, राजनीतिक संस्थाएं, राज्य और राज्यविहीन समाज, सरल और जटिल समाज में कानून और न्याय

➢ अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी सामाजिकतिक मानवविज्ञानसांस्कृ -, उसके अर्थ एवं क्षेत्र और मानवविज्ञान विषय की शाखाओं के बारे में जानेंगे।
2. विद्यार्थी संस्कृति, समाज, समुदाय, समूह, परिवार, विवाह, धर्म, नातेदारी के बारे में जानेंगे।
3. वे अर्थव्यवस्था और समाज: उत्पादन की प्रक्रियाएं एवं वितरण, सरल और जटिल समाज में विनिमय और उपभोग के बारे में जानेंगे।
4. वे राजनीतिक संस्थाएं, राज्य और राज्यविहीन समाज, सरल और जटिल समाज में कानून और न्याय को समझेंगे

➢ पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		

मॉड्यूल 1	**1.** सामाजिक- सांस्कृतिक मानवविज्ञान: मानवविज्ञान का अर्थ एवं क्षेत्र; मानवविज्ञान विषय की शाखाएं 2. संस्कृति, समाज, समुदाय, समूह 3. धर्म 4. परिवार, विवाह, नातेदारी	**13**	**1**	**1**	**15**	**50%**
मॉड्यूल 2	1. अर्थव्यवस्था और समाज 2. उत्पादन की प्रक्रियाएं एवं वितरण 3.सरल और जटिल समाज में विनिमय और उपभोग, 5. राजनीतिक संस्थाएं, राज्य और राज्यविहीन समाज 6. सरल और जटिल समाज में कानून और न्याय	**13**	**1**	**1**	**15**	**50%**
योग		**26**	**2**	**2**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

3 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

4 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/ (Text books/Reference/Resources)

- Beattie, John (1964) Other Cultures . London: Routledge & Kegan Paul
- Evans-Pritchard EE (1937) :itchcrai, Oracles and Magic among the Azande. Oxford Clarendon Press
- Firth R (ed.) (1970) Themes in Economic Anthropology. Tavistock Publications, London
- Fortes, M. and E.E. Evans-Pritchard (1940) African Political Systems. London: Oxford University Press.
- Gluckman, M. (1965) Politics, Law and Ritual in Tribal Society. Oxford: Blackwell.
- Hasnain, Nadeem (1992) General Anthropology. Jawahar Publishers, New Delhi
- Herskovits M (1960) Economic Anthropology. Knopf, New York
- Leach, E. R. (1954) Political Systems of Highland Burma. London: Athlone
- Mair, Lucy (1962) Primitive Government. Indiana: Penguin Publishers.
- Majumdar, D. N. & T. N. Madan (1957) An Introduction to Social Anthropology. Asia Publishing House, Bombay
- Malinowski B 1961 [1922] Argonauts of the Western Pacific. Dutton & Co, New York
- Needham, Rodney (ed.) (1971) *Rethinking Kinship and Marriage*. London: Tavi-stock

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA201	**पेपर का नाम : जैविक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:02	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: शारीरिक /जैविक मानवविज्ञान का इतिहास, विकास एवं उद्देश्य ;मानवविज्ञान का संबंद्ध विषयों से संबंध ;जैविक उद्विकास के सिध्दांत, लॅमार्कवाद, डार्विनवाद, नवलॅमार्कवाद -, नवाडार्विनवाद, और संश्लेसषण सिध्दांत.

इकाई 2: प्राणि जगत में मानव का स्थान ;मानव एवं वानर के मध्य तुलनात्मक शरीररचना ; मानव उद्विकास जीवाष्म साक्ष्य

इकाई 3: प्रजाति की अवधारणा, प्रजाति का अनुवांशिक आधार प्रजाति,पर यूनेस्को का व्यक्तव्य , मानव जनसंख्या का प्रजातीयवर्गीकरण

इकाई 4 : मानव अनुवांशिकी , मेंडेल के नियम , डी.एनजनसंख्या अनुवांशिकी की अवधारणा,., मानव जीनोम परियोजिना .

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्धि उद्विकास के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में जानेंगे।

2. वे प्राणी जगत के वर्गीकरण और उसमें मनुष्य के स्थान के बारे में जानेंगे।

3.वे मानव एवं वानर के मध्य समानता और विभिन्नता को समझेंगे

4. वे नस्ल की अवधारणा के बारे में भी जानेंगे।

- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		

मॉड्यूल 1	1.शारीरिक/ जैविक मानवविज्ञान का इतिहास, विकास एवं उद्देश्य ; 2.मानवविज्ञान का संबंद्ध विषयों से संबंध; 3.जैविक उद्विकास के सिध्दांत, लॅमार्कवाद, डार्विनवाद, नव- लॅमार्कवाद, नवाडार्विनवाद, और संश्लेसषण सिध्दांत.	**11**	**1**	**1**	**13**	**22%**
मॉड्यूल 2	प्राणि जगत में मानव का स्थान ;मानव एवं वानर के मध्य तुलनात्मक शरीररचना ; मानव उद्विकास जीवाष्म साक्ष्य	**15**	**1**	**1**	**17**	**29%**
मॉड्यूल 3	प्रजाति की अवधारणा, प्रजाति का अनुवांशिक आधार ,प्रजाति पर यूनेस्को का व्यक्तव्य, मानव जनसंख्या का प्रजातीय वर्गीकरण	**10**	**1**	**1**	**12**	**20%**
मॉड्यूल 4	मानव अनुवांशिकी , मेंडेल के नियम, डी.एन.ए. ,जनसंख्या अनुवांशिकी की अवधारणा, मानव जीनोम परियोजिना .	**15**	**1**	**1**	**17**	**29%**
योग		**52**	**4**	**4**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

1. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।
2. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेलव्हाट्सऐप/ के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।
3. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।
4. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न उत्तर सत्र के लिए समर्पित-होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा । प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी .यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे । इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं ।
5. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभीकभी काफी स्वाभाविक है-, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।

6. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन सत्रीय पत्र में ,सेमीनार ,उनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं ,बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी। अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।
7. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन)रीडिंग(को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा।

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
जैविक / शारीरिक मानवविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

1. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

➢ मूल्यांकन परीक्षा योजना /

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

(Text books/Reference/Resources)

- Ashley-Montagu, M.E. 1961. *An Introduction to Physical Anthropology*. Illinois: Charles C. Thomas.
- Buettner-Janusch, J. 1966. *Origins of Man*. New Delhi: Wiley Eastern Pvt. Ltd.
- Das, B.M. 1997. *Outline of Physical Anthropology*. Allahabad: Kitab Mahal.
- Harrison, G.A. et al. 1988. *Human Biology*. Oxford: Clarendon Press.
- Lewin, R. 1999. *Human Evolution*. New York: Blackwell Science Ltd.
- Molnar, S. 1992. *Human Variation: Races, Types, and Ethnic Groups*. New Jersey: Prentice- Hall, Inc.
- Montague, M.F.A. 1961. *An Introduction to Physical Anthropology*. Illinois: Charles C. Thomas.
- Nystrom, P. and Ashmore, P. 2011. *The Life of Primates*. New Delhi: PHI Learing Pvt. Ltd.
- Park, M. A. 1996. *Biological Anthropology*. California: Mayfield Publishing Company.
- Poirier, F.E., W.A. Stini and K.B. Wreden. 1990. *In Search of Ourselves: An Introduction to Physical Anthropology*, 4th edition. New Jersey: Prentice Hall.
- Sarkar, R.M. 2004. *Fundamentals of Physical Anthropology*. Kolkata: Book World Publishers.
- Shukla, B.R.K. and S. Ratogi. 2002. *Physical Anthropology and Human Genetics – An Introduction*. Delhi: Palaka Prakashan.
- Srivastava, R.P. 2011. *Morphology of the Primates and Human Evolution*. New Delhi: PHI Learning Pvt. Ltd.
- Ulijaszek, S.J. 1995. *Human Energetics in Biological Anthropology*. Cambridge: Cambridge University Press.

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA202	**पेपर का नाम : अस्थिविज्ञान में प्रायोगिकी**	3. क्रेडिट: 02
	सेमेस्टर:02	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**0**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**04**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	**26**
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: अस्थिविज्ञानः मानव अस्थियों की विवरणात्मक शब्दावली; मानव कंकाल के आक्षीय और उपांगीय भाग, मानव अस्थियों के नाम और स्थान।

इकाई2: कपालमिती)2 कपालों का मापनईअधिकतम कपाल लम्बा (, अधिकतम कपाल चौड़ाई, बाई जाइगोमैटिक चौडाई, ऊपरी मुखमंडल की ऊँचाई, नासिका की ऊँचाई, नासिका की चौड़ाई : सूचकांक – कपाल सूचकांक, नासिका सूचकांक, ऊपरी मुखमंडल सूचकांक.

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्धि वभिन्न मानव अस्थियों के नाम और स्थान जानेंगे .
2. वे कपालमिति से संबंधित माप सीखेंगे.
3. वे विभिन्न सूचकांकों से कपाल को वर्गीकृत करना सीखेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल 1	1.अस्थिविज्ञानः मानव अस्थियों की विवरणात्मक शब्दावली;	0	**2**	**14**	**16**	**53%**

	2.मानव कंकाल के आक्षीय और उपांगीय भाग, 3.मानव अस्थियों के नाम और स्थान।					
मॉड्यूल 2	1.कपालमिती (2 कपालों का मापन) अधिकतम कपाल लम्बाई, 2.अधिकतम कपाल चौड़ाई, 3.बाई जाइगोमैटिक चौडाई, 4.ऊपरी मुखमंडल की ऊँचाई, 5.नासिका की ऊँचाई, 6.नासिका की चौड़ाई : 7.सूचकांक – कपाल सूचकांक, 8.नासिका सूचकांक, 9.ऊपरी मुखमंडल सूचकांक.	**0**	**2**	**12**	**14**	**47%**
योग		**0**	**04**	**26**	**30**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

8. प्रयोगिकी के विषयों को अच्छी तरह से पहले बताया जायेगा और प्रत्येक प्रयोगिकीशिक्षक द्वारा , .प्रदर्शित की जायेगी
9. शिक्षक के प्रयोगिकी प्रदर्शन के उपरांत सभी विद्यार्थियों का प्रयोगिकी प्रदर्शन आपेक्षित होगा इस . .प्रकार से सभी विद्यार्थी विभिन्न प्रयोगिकी में निपुण हो जायेंगे
10. प्रयोगिकी में प्रयुक्त विभिन्न मापों और सूचकांको का उपयोग किनइसके बारे में ?किन क्षेत्रों में होता है- .भी विद्यार्थियों को समझाया जायेगा

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
अस्थिविज्ञान में प्रयोगिकी पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	-	-	X	-	-	X

टिप्पणी :

3. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन परीक्षा योजना /**

ख /प्रयोगशाला/परियोजना कार्य .स्टूडियो कार्य का मूल्यांकन-क्षेत्र/

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण/प्रयोगिकी पुस्तिका आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन/प्रयोगिकी परीक्षा	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

- Chaurasia, B.D. 1984. *Human Osteology*. New Delhi: CBS..
- Das, B.M. and R. Deka. 2001. *Physical Anthropology Practical*. Allahabad: Kitab Mahal.
- Dwight, T. 1978. *The Identification of the Human Skeleton.* Boston: Massachusetts Medical Society.
- Mukherji, D., Mukherjee, D.P. and Bharati, P. 2009. *Laboratory manual for Biological Anthropology*. Kolkata.
- Sen, T. 1994. *Anthropometry.* Calcutta: The World Press.
- Shukla, B.R.K. and S. Ratogi. 2003. *Laboratory Manual of Physical Anthropology (Anthropometry and Osteology)*. Lucknow: Bharat Book Centre.
- Singh, I.P. and M. K. Bhasin. 2004. *A Manual of Biological Anthropology*. Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Singh, I.P. and M.K. Bhasin. 1989. *Anthropometry*. New Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Weiner, J. S. and J.A. Lourie. 1981. *Practicals in Human Biology*. London: Academic Press.

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA301	**पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:03	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**52**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**4**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**4**
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का परिप्रेक्ष्य और आधार; सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का विषय क्षेत्र; सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का अन्य विषयों से संबंध

इकाई 2: नृजातिविज्ञान और नृजातिवर्णन, नृजातिकेंद्रिता, एमिक एवं एटिक दृष्टिकोण, मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा

इकाई 3: सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन: संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, परसंस्कृतिकरण, सामाजीकरण, सांस्कृतिक पिछड़ापन, , प्रस्थिति और भूमिका

इकाई 4: समाज और संस्कृति; संस्कृति की विशेषताएं, संस्कृति एक अनुकूलन व्यवस्था, प्रस्थिति और भूमिका, सामाजिक स्तरीकरण, समूह एवं समूह के प्रकार, समुदाय, सामाजिक संरचना, सामाजिक संगठन

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थी सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान के बारे में जानेंगे।

2. वे नृजातिविज्ञान और नृजातिवर्णन, नृजातिकेंद्रिता, एमिक एवं एटिक दृष्टिकोण और मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा के बारे में भी जानेंगे।

3. वे सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन: संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, परसंस्कृतिकरण, सामाजीकरण, सांस्कृतिक पिछड़ापन और प्रस्थिति और भूमिका के बारे में जानेंगे।

4.वे समाज और संस्कृति; संस्कृति की विशेषताएं, संस्कृति एक अनुकूलन व्यवस्था, प्रस्थिति और भूमिका, सामाजिक स्तरीकरण, समूह एवं समूह के प्रकार, समुदाय, सामाजिक संरचना और सामाजिक संगठन को समझेंगे

➢ पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.** सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का परिप्रेक्ष्य और आधार 2. सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का विषय क्षेत्र 3. सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का अन्य विषयों से संबंध	**10**	**1**	**1**	**12**	**20%**
मॉड्यूल 2	1. नृजातिविज्ञान और नृजातिवर्णन 2. नृजातिकेंद्रिता 3. एमिक एवं एटिक दृष्टिकोण 4. मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा	**11**	**1**	**1**	**13**	**21.66%**
मॉड्यूल 3	1. सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन 2. संस्कृतिकरण और पश्चिमीकरण 3. परसंस्कृतिकरण, सामाजीकरण 4. सांस्कृतिक पिछड़ापन 5. प्रस्थिति और भूमिका	**15**	**1**	**1**	**17**	**28.33%**
मॉड्यूल 4	1. समाज और संस्कृति; 2. संस्कृति की विशेषताएं, संस्कृति एक अनुकूलन व्यवस्था, 3. प्रस्थिति और भूमिका, 4. सामाजिक स्तरीकरण, 5.समूह एवं समूह के प्रकार, समुदाय, 6. सामाजिक संरचना, सामाजिक संगठन	**16**	**1**	**1**	**18**	**30%**
योग		**52**	**4**	**4**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

5 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

6 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/**

(Text books/Reference/Resources)

- Hasnain, Nadeem (1992) General Anthropology. Jawahar Publishers, New Delhi
- Herskovits M (1960) Economic Anthropology. Knopf, New York
- Majumdar, D. N. & T. N. Madan (1957) An Introduction to Social Anthropology. Asia Publishing House, Bombay

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA302	**पेपर का नाम : शारीरमिति में प्रायोगिकी**	3. क्रेडिट: 02
	सेमेस्टर:03	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**0**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**3**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	**27**
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1 (स का मापनक्टचार सब्जे)शरीरमिती :– सिर की अधिकतम लम्बाई, सिर की अधिकतम चौड़ाई, बाईजाइगोमैटिक चौड़ाई, नासिका की ऊँचाई, नासिका की चौड़ाई, मुखमंडल की मॉर्फोलॉजिकल लम्बाई, सब्जेक्ट की ऊँचाई, बाईएक्रोमियल चौड़ाई, ऊपरी बाहू की मध्य गोलाई, वज़न.

इकाई 2 सूचकांक:– बी.आई .एम., कपाल सूचकांक, नासिका सूचकांक, ऊपरी मुखमंडल का मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, मुखमंडल मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, जूगोफ्रंटल सचूकांक।

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थी विभिन्न शरीरमितीय माप लेने में सक्षम होंगे.

2. वे विभिन्न सूचकांकों की सहायता से मानव की विविधता जानेगें .

- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**		
मॉड्यूल 1	1.शरीरमिती (चार सब्जेक्टस का मापन) – 2.सिर की अधिकतम लम्बाई, 3.सिर की अधिकतम चौड़ाई,		**2**	**15**	**17**	**57%**

	4.बाईजाइगोमैटिक चौड़ाई, 5.नासिका की ऊँचाई, 6.नासिका की चौड़ाई, 7.मुखमंडल की मॉर्फोलॉजिकल लम्बाई, 8.सब्जेक्ट की ऊँचाई, 9.बाईएक्रोमियल चौड़ाई, 10.ऊपरी बाहू की मध्य गोलाई, 11.वज़न.					
मॉड्यूल 2	1.सूचकांक – बी.एम. आई., 2.कपाल सूचकांक, 3.नासिका सूचकांक, 4. ऊपरी मुखमंडल का मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, 5.मुखमंडल मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, 6.जूगोफ्रंटल सचूकांक।	**0**	**2**	**11**	**13**	**43%**
योग		**0**	**3**	**27**	**30**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

11. प्रयोगिकी के विषयों को अच्छी तरह से पहले बताया जायेगा और प्रत्येक प्रयोगिकीशिक्षक द्वारा , .प्रदर्शित की जायेगी
12. शिक्षक के प्रयोगिकी प्रदर्शन के उपरांत सभी विद्यार्थियों का प्रयोगिकी प्रदर्शन आपेक्षित होगा इस . .प्रकार से सभी विद्यार्थी विभिन्न प्रयोगिकी में निपुण हो जायेंगे
13. प्रयोगिकी में प्रयुक्त विभिन्न मापों और सूचकांको का उपयोग किनइसके बारे में ?किन क्षेत्रों में होता है- .भी विद्यार्थियों को समझाया जायेगा

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शारीरमिति में प्रयोगिकी पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	-	-	X	-	-	X

टिप्पणी :

4. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

- **मूल्यांकन परीक्षा योजना /**

ख /प्रयोगशाला/परियोजना कार्य .स्टूडियो कार्य का मूल्यांकन-क्षेत्र/

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण/प्रयोगिकी पुस्तिका आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन/प्रयोगिकी परीक्षा	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

- Chaurasia, B.D. 1984. *Human Osteology*. New Delhi: CBS..
- Das, B.M. and R. Deka. 2001. *Physical Anthropology Practical*. Allahabad: Kitab Mahal.
- Dwight, T. 1978. *The Identification of the Human Skeleton.* Boston: Massachusetts Medical Society.
- Mukherji, D., Mukherjee, D.P. and Bharati, P. 2009. *Laboratory manual for Biological Anthropology*. Kolkata.
- Sen, T. 1994. *Anthropometry.* Calcutta: The World Press.
- Shukla, B.R.K. and S. Ratogi. 2003. *Laboratory Manual of Physical Anthropology (Anthropometry and Osteology)*. Lucknow: Bharat Book Centre.
- Singh, I.P. and M. K. Bhasin. 2004. *A Manual of Biological Anthropology.* Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Singh, I.P. and M.K. Bhasin. 1989. *Anthropometry*. New Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Weiner, J. S. and J.A. Lourie. 1981. *Practicals in Human Biology*. London: Academic Press.

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA401	**पेपर का नाम : पुरातात्विक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:04	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	47
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	06
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	07
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: **पुरातात्विक** मानवविज्ञान की परिभाषा और क्षेत्र;अन्य विषयों से संबंध ;**पुरातात्विक** मानवविज्ञान की अध्ययन पद्धति

इकाई 2: प्रतिनूतन काल का पर्यावरण ,हिमकाल ,अंतरहिमकाल,वर्षाकाल और अंतरवर्षाकाल

इकाई 3: निरपेक्ष और सापेक्ष काल निर्धारण विधि .

इकाई 4: भारत में पुरापाषाण काल , मध्य पाषाण काल और नवपाषाण संस्कृतियों की मुख्य विशेषताएं

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्धि पुरातात्विक मानवविज्ञान की मूलभूत अवधारणाएँ और प्रविधियाँ को समझेंगे .
2. वे प्रतिनुतनकाल में हुए जलवायु परिवर्तन को जानेगें .
3. वे सापेक्ष और निरपेक्ष कालनिर्धारण तकनीकि का प्रयोग करने में सक्षम होंगे.
4. वे भारत के विभिन्न सांस्कृतिक कालानुक्रम को समझेंगे।

- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास		

				गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. **पुरातात्विक** मानवविज्ञान की परिभाषा और क्षेत्र; 2.अन्य विषयों से संबंध; 3. **पुरातात्विक** मानवविज्ञान की अध्ययन पद्धति	8	**2**	**1**	**11**	**18%**
मॉड्यूल 2	1.प्रतिनूतन काल का पर्यावरण, 2.हिमकाल,अंतरहिमकाल, 3.वर्षाकाल और अंतरवर्षाकाल	**10**	**2**	**1**	**13**	**21%**
मॉड्यूल 3	1. सापेक्ष कालनिर्धारण तकनीकि 2. निरपेक्ष कालनिर्धारण तकनीकि	**07**	**1**	**5**	**13**	**21%**
मॉड्यूल 4	1.भारत में पाषण काल, 2.मध्य पाषाण काल, 3. नवपाषाण काल,	**20**	**1**	**0**	**21**	**40%**
योग		**47**	**6**	**07**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

14. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।
15. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेलव्हाट्सऐप/ के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।
16. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।
17. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न उत्तर सत्र के लिए समर्पित-होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी .यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं।
18. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभीकभी काफी स्वाभाविक है-, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।
19. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सत्रीय पत्र में ,सेमीनारउनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं ,बिना पूर्व सूचना के

आयोजित की जायेगी । अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।

20. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन)रीडिंग(को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा ।

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
पुरातात्विक मानवविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

5. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ मूल्यांकन परीक्षा योजना /

ख. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

- Barnow, V. 1989. Introduction to Physical Anthropology and Archaeology: Chicago: The Dosery Press.
- Bhattacharya D.K. 1972. Prehistoric Archaeology. New Delhi: Hindustan Publishing Corporation.

- Bhattacharya D.K. 1979. Old Stone Age Tools and Techniques. Calcutta: K.P. Bagchi Company.
- Bhattacharya D.K. 1996. Palaeolithic Europe. Amsterdam: Humanities Press.
- Bhattacharya, D. K. 2017. An Outline of Indian Prehistory. New Delhi: Palaka Prakashan.
- Burkitt, M. C. 1985. The Old Stone Age: A Study of Palaeolithic Times. New Delhi: Rupa &Co.
- Champion et al. 1984. Prehistoric Europe. New York: Academic Press.
- Fagan B.M. 1983. People of Earth: An Introduction. Boston: Little, Brown & Company.
- Fagan, Brian. M. 2009. The complete Ice Age: how climate change shaped the world. London:Thames & Hudson
- Gamble, Clive. 2002. Archaeology: the basics. London: Routledge.
- Hole, F. and R.F. Heizer. 1973. Introduction to Prehistoric Archaeology. New York: Holt,
  Rinehart and Winston.
- Nilson, Tage. 1983. The Pleistocene: Geology and Life in the Quaternary Ice Age. London:
  Reidel.
- Rajan, K. 2002. Archaeology: Principles and Methods. Thanjavur: Pathippakam
- Rami Reddy, V. 2014. Elements of Prehistory. Tirupati: V. Indira.
- West, R.G. 1968. Pleistocene geology and biology: with especial reference to the British Isles.
  University of Michigan.

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA402	**पेपर का नाम : पुरातात्विक मानवविज्ञान में प्रायोगिकी**	3. क्रेडिट: 02
	सेमेस्टर:04	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	0
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	26
कुल क्रेडिट घंटे	30

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1 :उपकरण शब्दावलियां ,पुरापाषाणकाल ,मध्य पाषाणकाल और नव पाषाणकाल की उपकरण निर्माण तकनीकि व प्रारूप।

इकाई :2 पुरापाषाणकाल ,मध्य पाषाणकाल और नव पाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण.

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्धि सीखेंगे कि प्रागैतिहासिक उपकरण कैसे बनाएं, पहचानें और व्याख्या करें।
2. वे पुरातात्विक उपकरण निर्माण तकनीकि जान पायेंगे.

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल 1	1.उपकरण शब्दावलियां, 2. पुरापाषाणकाल, मध्य पाषाणकाल और नव पाषाणकाल की उपकरण निर्माण तकनीकि व प्रारूप।	0	**2**	**13**	**15**	**50%**
मॉड्यूल 2	1.पुरापाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण 2.मध्य पाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण 3.नव पाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण.	**0**	**2**	**13**	**15**	**50%**
योग		**0**	**04**	**26**	**30**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

21. प्रयोगिकी के विषयों को अच्छी तरह से पहले बताया जायेगा और प्रत्येक प्रयोगिकीशिक्षक द्वारा , .प्रदर्शित की जायेगी
22. शिक्षक के प्रयोगिकी प्रदर्शन के उपरांत सभी विद्यार्थियों का प्रयोगिकी प्रदर्शन आपेक्षित होगा इस . .प्रकार से सभी विद्यार्थी विभिन्न प्रयोगिकी में निपुण हो जायेंगे
23. प्रयोगिकी में प्रयुक्त विभिन्न मापों और सूचकांको का उपयोग किनइसके बारे में ?किन क्षेत्रों में होता है- .भी विद्यार्थियों को समझाया जायेगा

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
पुरातात्विक मानवविज्ञान में प्रयोगिकी पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	-	-	X	-	-	X

टिप्पणी :

6. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ मूल्यांकन परीक्षा योजना /

ख /प्रयोगशाला/परियोजना कार्य .स्टूडियो मूल्यांकन कार्य का-क्षेत्र/

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण/प्रयोगिकी पुस्तिका आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन/प्रयोगिकी परीक्षा	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

- Barnow, V. 1989. Introduction to Physical Anthropology and Archaeology: Chicago: The Dosery Press.
- Bhattacharya D.K. 1972. Prehistoric Archaeology. New Delhi: Hindustan Publishing Corporation.
- Bhattacharya D.K. 1979. Old Stone Age Tools and Techniques. Calcutta: K.P. Bagchi Company.
- Bhattacharya D.K. 1996. Palaeolithic Europe. Amsterdam: Humanities Press.
- Bhattacharya, D. K. 2017. An Outline of Indian Prehistory. New Delhi: Palaka Prakashan.
- Burkitt, M. C. 1985. The Old Stone Age: A Study of Palaeolithic Times. New Delhi: Rupa &Co.
- Champion et al. 1984. Prehistoric Europe. New York: Academic Press.
- Fagan B.M. 1983. People of Earth: An Introduction. Boston: Little, Brown & Company.
- Fagan, Brian. M. 2009. The complete Ice Age: how climate change shaped the world. London:Thames & Hudson
- Gamble, Clive. 2002. Archaeology: the basics. London: Routledge.
- Hole, F. and R.F. Heizer. 1973. Introduction to Prehistoric Archaeology. New York: Holt,
  Rinehart and Winston.
- Nilson, Tage. 1983. The Pleistocene: Geology and Life in the Quaternary Ice Age. London:
  Reidel.
- Rajan, K. 2002. Archaeology: Principles and Methods. Thanjavur: Pathippakam
- Rami Reddy, V. 2014. Elements of Prehistory. Tirupati: V. Indira.
- West, R.G. 1968. Pleistocene geology and biology: with especial reference to the British Isles.University of Michigan.

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA501	**पेपर का नाम : मानव संवृद्धि एवं विकास**	3. क्रेडिट: 03
	सेमेस्टर:05	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	38
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	03
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: मानव संवृद्धि एवं विकासपरिभाषा :, संकल्पना एवं भिन्नता, मानव संवृद्धि के अध्ययन का महत्व। :मानव संवृद्धि अध्ययन की विधियाँअनुदैर्घ्य, बहुद्रिक एवं आंशिक- अनुदैर्घ्य।

इकाई 2: मानव संवृद्धि के चरण, कैच अप-ग्रोथ, सेकुलर ट्रेंड, सामान्य संवृद्धि वक्र)नॉर्मल ग्रोथ कर्व(, अन्य ऊतकों का संवृद्धि वक्र। मानव संवृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक: आनुवांशिक, सामाजिक, हॉर्मोनल एवं पारिस्थितिकीय।

इकाई 3: सामान्य मानव संवृद्धि की पोषण आवश्यकताएं, संतुलित आहार की परिकल्पना, पोषकीय कमी के लक्षण एवं संबंधित बीमारियाँ। पर्यावरण, संस्कृति एवं भोजन।

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थी मानव संवृध्दि और इसके चरण सीखेंगे।
2. वे संवृध्दि अध्ययन की प्रविधियों का उपयोग करना सीखेंगे।
3. वे संवृध्दि को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान कर पायेंगे.

- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1.मानव संवृद्धि एवं विकास: परिभाषा, संकल्पना एवं भिन्नता, 2.मानव संवृद्धि के अध्ययन का महत्व।	**09**	**1**	**1**	**11**	**24%**

	3.मानव संवृद्धि अध्ययन की विधियाँ: अनुदैर्घ्य, बहुद्रिक एवं आंशिक- अनुदैर्घ्य।					
मॉड्यूल 2	1.मानव संवृद्धि के चरण, 2.कैच-अप ग्रोथ, 3.सेकुलर ट्रेंड, 4.सामान्य संवृद्धि वक्र (नॉर्मल ग्रोथ कर्व), 5.अन्य ऊतकों का संवृद्धि वक्र। 6.मानव संवृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक: आनुवांशिक, सामाजिक, हॉर्मोनल एवं पारिस्थितिकीय।	**21**	**2**	**1**	**24**	**54%**
मॉड्यूल 3	1.सामान्य मानव संवृद्धि की पोषण आवश्यकताएं, 2.संतुलित आहार की परिकल्पना, 3.पोषकीय कमी के लक्षण एवं संबंधित बीमारियाँ। 4.पर्यावरण, संस्कृति एवं भोजन।	**8**	**1**	**1**	**10**	**22%**
योग		**38**	**04**	**03**	**45**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

24. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।
25. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेलव्हाट्सऐप/ के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।
26. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।
27. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न उत्तर सत्र के लिए समर्पित-होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी .यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं।
28. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभीकभी काफी स्वाभाविक है-, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।
29. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सत्रीय पत्र में ,सेमीनारउनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं ,बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी। अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।
30. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन)रीडिंग(को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा।

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
मानव संवृद्धि एवं विकास पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	-	X	X

टिप्पणी :

7. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ मूल्यांकन परीक्षा योजना /

ग. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ अध्ययन हेतु आधारसंदर्भ ग्रंथ/

- Bogin B. (1999) *Patterns of human growth*. Cambridge University Press.
- Cameron N and Bogin B. (2012) *Human Growth and Development*. Second edition, Academic Press, Elsevier.
- Harrison GA, Tanner JM, Pibeam DR, Baker PT. (1988). *Human Biology*. Oxford University Press.
- Jurmain R, Kilgore L, Trevathan W. *Essentials of physical anthropology*. Wadsworth Publishing.
- Kapoor AK and Kapoor S. (1995) *Biology of Highlanders*. Vinod Publisher and Distributor.
- Kathleen K. (2008). *Encyclopedia of Obesity*. Sage.
- Malina RM, Bouchard C, Oded B. (2004) Growth, Maturation, and Physical Activity. *Human Kinetics*.
- McArdle WD, Katch FI, Katch VL. (2001) *Exercise Physiology: Energy, Nutrition, and Human Performance*.
- Sinha R and Kapoor S. (2009). *Obesity: A multidimensional approach to contemporary global issue*. Dhanraj Publishers. Delhi.

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA 502	**पेपर का नाम : शोध पद्धतिशास्त्र**	3. क्रेडिट: 03
	सेमेस्टर:05	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	36
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	5
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: शोध की परिभाषा, शोध के प्रकार, शोध प्ररचना के चरण , शोध नैतिकता और वैज्ञानिक प्रविधि।

इकाई 2: मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा :क्षेत्रकार्य से पूर्व की तैयारी ,क्षेत्र कार्य- सौहार्द्र स्थापन (रेपो), मुख्य सूचनादाता और फील्ड डायरी का रखरखाव।

इकाई 3: गणात्मक और गुणात्मक शोध की प्रविधि सर्वेक्षण :, व्यैक्तिक अध्ययन और नृविज्ञान। आंकडें संकलन के उपकरणप्रश्नावली :, साक्षात्कार अनुसूची, अवलोकन प्रत्यक्ष -, अप्रत्यक्ष, प्रतिभागी, गैर-प्रतिभागी, साक्षात्कार,संरचित और असंरचित- नृजातीयवर्णन । प्रतिदर्श के प्रकार: संभाव्यता और गैर संभावना निदर्शन पद्धति।

इकाई 4: सांख्यिकी :चरों के प्रकार, प्रस्तुति और संक्षेपण । वर्णनात्(सारणीकरण और चित्रण)मक आँकड़े - केंद्रीय प्रवृत्ति के माप, विचलनशीलता का मापन।

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थी फील्डवर्क और नृविज्ञान के साथ इसके संबंध के बारे में जानेंगे।
2. वे फील्डवर्क की तैयारी और क्षेत्र कार्य- सौहार्द्र स्थापना (रेपो) की तकनीक का उपयोग करना सीखेंगे।
3. वे आंकडें संकलन करने की विभिन्न विधियों में निपुण होंगे।
4. वे निदर्शन अध्ययन के प्रारूप को ,आंकड़ों के सांख्यिकीय विवरण को तथा सांख्यिकीय परीक्षण के महत्व को समझेंगे .

- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास		

				गतिविधियाँ		अंश
मॉड्यूल 1	1.शोध की परिभाषा, 2.शोध के प्रकार, 3.शोध प्ररचना के चरण , 4.शोध नैतिकता और 5.वैज्ञानिक प्रविधि।	**6**	**1**	**1**	**08**	**18%**
मॉड्यूल 2	1.मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा: 2.क्षेत्रकार्य से पूर्व की तैयारी, 3.क्षेत्र कार्य- सौहार्द्र स्थापन (रेपो), 4.मुख्य सूचनादाता और 5.फील्ड डायरी का रखरखाव।	**5**	**2**	**1**	**08**	**18%**
मॉड्यूल 3	1.गणात्मक और गुणात्मक शोध की प्रविधि : सर्वेक्षण, 2.व्यैक्तिक अध्ययन और 3.नृविज्ञान। 4.आंकडें संकलन के उपकरण: प्रश्नावली, 5.साक्षात्कार 6.अनुसूची, 7.अवलोकन - प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, प्रतिभागी, गैर-प्रतिभागी, 8.साक्षात्कार-संरचित और असंरचित, 9.नृजातीयवर्णन । 10.प्रतिदर्श के प्रकार: संभाव्यता और गैर संभावना निदर्शन पद्धति।	**15**	**1**	**2**	**18**	**40%**
मॉड्यूल 4	1.सांख्यिकी: चरों के प्रकार, 2.प्रस्तुति और संक्षेपण (सारणीकरण और चित्रण)। 3.वर्णनात्मक आँकड़े- केंद्रीय प्रवृत्ति के माप, 4.विचलनशीलता का मापन।	**09**	**1**	**1**	**11**	**24%**
योग		**36**	**5**	**4**	**45**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

31. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।

32. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेलव्हाट्सऐप/ के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।
33. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।
34. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न उत्तर सत्र के लिए समर्पित-होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी .यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं।
35. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभीकभी काफी स्वाभाविक है-, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।
36. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सत्रीय पत्र में ,सेमीनारउनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं ,बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी। अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।
37. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन)रीडिंग(को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा।

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शोध पद्धतिशास्त्र पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

8. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन परीक्षा योजना /**

घ. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधारसंदर्भ ग्रंथ/**

- Amit, V. 1999. *Constructing the Field.* London: Routledge.
- Bechhofer, F. and L. Paterson. 2000. *Principles of Research Design in the Social Sciences*. London: Routledge.
- Beteille, A. and T. N. Madan. 1975. *Encounter and Experience.* New Delhi: Vikas.
- Burgess, R. G. 1984. *In the Field: An Introduction to Field Research.* London: Routledge.
- Ellen, R. F. 1984. *Ethnographic Research: A Guide to General Conduct*. London: Academic Press.
- Epstein, A.L. 1978. *Crafts in Social Anthropology.* Delhi: Hindustan Publishing Corp.
- Foster, G. M. *et al*. 1979. *Long Term Field Research in Social Anthropology*. New York: Academic Press.
- Frelich, M. 1970. *Marginal Natives: Anthropologists at Work.* New York: Harper & Sons.
- Goode, W.J. and P.K. Hatt. 1981. *Methods in Social Research*. Singapore: McGraw-Hill Book Company.
- Herle, A. 1998. *Cambridge and the Torres Strait.* Cambridge: University Press.
- Jongmans, D.G. and P.C.W. Gutkind. 1967. *Anthropologists in the Field*. Assen: Van Gorcum & Company.
- Kumar, Somesh. 2002. *Methods for Community Participation*. New Delhi: Vistaar.
- Levinson, D. and M Ember (eds), 1996. *Ency. of Cultural Anthropology*, Vol.2, New York: Henry, Holt & Co.
- Russell, Bernard, H. 1995. *Research Methods in Anthropology: Qualitative and Quantitative Approaches*. Walnut Creek, CA: AltaMira Press.
- Sarana, G. 1975. *The Methodology of Anthropology.* New York: The University of Arizona Press.
- Srinivas, M.N. 1983. *The Observer and the Observed.* Faculty Lecture 1, Faculty of Arts and Social Sciences, University of Singapore.
- Stocking, G.W. 1983. *Observers Observed: Essays on Ethnographic Fieldwork.* Madison: The University of Wisconsin Press.
- Williams, T. R. 1967. *Field Methods in the Study of Culture.* London: Holt, Rinehart and Winston.

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA503	**पाठ्यचर्या का नाम: मानवशास्त्रीय सिद्धांत**	3. क्रेडिट: 03
	सेमेस्टर:05	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**3**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**2**
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: सांस्कृतिक उद्विकासवाद: ई बी टायलर, एल एच मॉर्गन, मेन, मैकलेनन तथा जेम्स फ्रेज़र का योगदान; प्रसारवाद- ब्रिटिश, जर्मन एवं अमेरिकन स्कूल

इकाई 2: संस्कृति और व्यक्तित्व- रूथ बेनेडिक्ट, मारग्रेट मीड, राल्फ लिंटन, कार्डिनर और कोरा-डू-बोईस का योगदान

इकाई 3: नव-उद्विकासवाद, प्रकार्यवाद (मेलिनोस्की) एवं संरचना-प्रकार्यवाद (रेड्क्लिफ ब्राउन)

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थी सांस्कृतिक उद्विकासवाद के बारे में जानेंगे।

2. वे प्रसारवाद के बारे में जानेंगे।

3.वे संस्कृति और व्यक्तित्व को समझेंगे

4. वे नव-उद्विकासवाद, प्रकार्यवाद एवं संरचना-प्रकार्यवाद के बारे में भी जानेंगे।

- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ**		
मॉड्यूल 1	**1.** सांस्कृतिक उद्विकासवाद 2. ई बी टायलर, एल एच मॉर्गन 3. मेन, मैकलेनन तथा जेम्स फ्रेज़र 4. प्रसारवाद 5. ब्रिटिश प्रसारवाद स्कूल	**13**	**1**	**1**	**15**	**33.33%**

	6. जर्मन प्रसारवाद स्कूल 7. अमेरिकन प्रसारवाद स्कूल					
मॉड्यूल 2	1. संस्कृति और व्यक्तित्व 2. रूथ बेनेडिक्ट 3. मारग्रेट मीड 4. राल्फ लिंटन, कार्डिनर और कोरा-डू-बोईस	**14**	**1**	**0**	**15**	**33.33%**
मॉड्यूल 3	1. नव-उद्विकासवाद 2. प्रकार्यवाद (मेलिनोस्की) 3. संरचना-प्रकार्यवाद (रेड्क्लिफ ब्राउन)	**13**	**1**	**1**	**15**	**33.33%**
योग		**40**	**3**	**2**	**45**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

7 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

8 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

- **अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/**

(Text books/Reference/Resources)

- Barnard, Alan. 2000. History and Theory in Anthropology. Cambridge: Cambridge University Press.
- Harris, Marvin. 1968. The Rise of Anthropological Theory, A History of Theories of Culture. New York: Thomas Y. Crowell Company.
- Kuper, Adam. 1973. Anthropologists and Anthropology: The Modern British School. London: Routledge. Reprint 1996.
- Kuper, Adam (ed.). 1977. The Social Anthropology of Radcliffe-Brown. London: Routledge & Kegan Paul Fortes, M. and E.E. Evans-Pritchard (1940) African Political Systems. London: Oxford University Press.
- Upadhyay, V.S. & Gaya Pandey.1990. History of Anthropological Thought. New Delhi: Concept Publishing House.

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA601	**पाठ्यचर्या का नाम : भारत में जनजातियां एवं कृषक**	क्रेडिट: 03
	सेमेस्टर:06	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	33
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	8
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

1. पाठ्यचर्या विवरण

इकाई- 1. जनजाति : जनजाति की मानवशास्त्रीय अवधारणा, भारत में जनजातियों के सामान्य एवं विशिष्ट लक्षण, अनुसूचित जनजाति एवं विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह; भारत में जनजातियों का वितरण :क्षेत्रवार, राज्यवार, जनजातीय जनसंख्या, अर्थव्यवस्था तथा धर्म के आधार पर जनजातियों का वर्गीकरण।

इकाई- 2. जनजाति, संविधान ओर विकास : संवैधानिक सुरक्षा / प्रावधान, अनुसूचित क्षेत्रों एवं जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन; राष्ट्रीय जनजाति नीति का ड्राफ्ट, परसंस्कृतिकरण, आत्मसातकरण तथा एकीकरण संबंधी मुद्दे, विकास योजनायें एवं कार्यक्रम।

इकाई- 3. किसान, जाति और जनजाति : किसान की अवधारणा, किसान का अध्ययन के दृष्टिकोण: आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक; जाति व्यवस्था और उसके बदलते स्वरूप; जनजाति- जाति सातत्य।

इकाई- 4. जनजाति एवं कृषक आन्दोलन।

2. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. जनजाति, अनुसूचित जनजाति तथा अतिसंवेदनशील समूहों के लक्षण, वितरण तथा उनके अर्थव्यवस्था से अवगत होगें।
2. जनजातियों की सुरक्षा और विकास के लिए संवैधानिक प्रावधान, जनजाति नीति एवं विभिन्न उपागम से विद्यार्थी परिचित होगें।
3. आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से किसान तथा जाति समाज के बदलते स्वरूप से परिचित होगें।
4. आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों से संबंधित जनजाति एवं कृषक आंदोलन से विद्यार्थी को परिचित कराया जायेगा।

3. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.** जनजातियों की अवधारणा एवं लक्षण 2. अनुसूचित जनजाति एवं अतिसंवेदनशील जनजाति समूह 3. जनजाति का विवरण, वितरण तथा वर्गीकरण	**08**	**1**	**2**	**11**	**24%**
मॉड्यूल 2	1. संवैधानिक प्रावधान 2. राष्ट्रीय जनजाति नीति का ड्राफ्ट 3. जनजाति विकास के संबंधित विभिन्न उपागम 4. विकास योजनाएँ एवं कार्यक्रम	**10**	1	**2**	**13**	**29%**
मॉड्यूल 3	1. कृषक समाज 2. जाति व्यवस्था 3. जनजाति- जाति निरन्तरता	**08**	**1**	**2**	**11**	**24%**
मॉड्यूल 4	1. जनजाति आन्दोलन 2. कृषक आन्दोलन	7	**1**	**2**	**10**	**23%**
योग		**33**	**4**	**8**	**45**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

4. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा
विधियाँ	विद्यार्थियों से संवाद
तकनीक	व्याख्यान
उपादान	दृशयात्मक, पुस्तकें एवं पी.पी.टी

5. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x					x	x

टिप्पणी:

9 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा **प्राप्त किये जाने वाले लक्षित** अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

6. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

7. अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

1. L.P.Vidyarthi &B.K.Rai.(1985).Tribal culture in India, new Delhi, concept publishing company.
2. National Tribal policy (draft). Ministry of tribal Affairs, Government of India.
3. Shah G. (2002), social movement and the shah. Delhi: Sage.
4. नदीम हसनैन) ,2016(. जनजातीय भारतनई दिल्ली,, जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीव्युटर्ष.
5. Shanin T. (.(1987Peasants and Peasantry. New York Blackwell.
6. मलिक ओर कुमार विकास .(2019)., पर्यावरण और आदिवासी समाज, केपब्लिकेशन .के., नई दिल्ली .
7. मुखर्जी एवं मलिक पब्लिकेशन .के.के .एं एवं संभावनाउँसमस्या : भारत के आदिवासी मध्य .(2014)., नई दिल्ली.
8. मलिक एवं मुखर्जी कारण :आदिवासी अशांति .(2015)., चुनौतियाँ एवं संभावनाएं.

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA602	**पाठ्यचर्या का नाम: भारत में मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 03
सेमेस्टर:6		

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	3
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	2
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: भारत में मानवविज्ञान का इतिहास एवं उसके विभिन्न चरण, भारतीय समाज और संस्कृति के अध्ययन के दृष्टिकोण: इंडोलोजिकल, प्रागैतिहासिक, एतिहासिक, मानवशास्त्रीय

इकाई 2: ग्रामीण अध्ययन; संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, प्रभु जाति, सार्वभौमीकरण, स्थानीयकरण, लघु एवं वृहत परंपरा

इकाई 3: आदिवासी अध्ययन; जनजाति-जाति निरंतरता, प्रकृति-मानव-आत्मा संकुल, पवित्र संकुल

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थी भारत में मानवविज्ञान का इतिहास एवं उसके विभिन्न चरण के बारे में जानेंगे।

2. वे ग्रामीण अध्ययन के बारे में जानेंगे।

3. वे आदिवासी अध्ययन के बारे में भी जानेंगे।

- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.** भारत में मानवविज्ञान का इतिहास एवं उसके विभिन्न चरण 2. भारतीय समाज और संस्कृति के अध्ययन के दृष्टिकोण	**13**	**1**	**1**	**15**	**33.33%**
मॉड्यूल 2	1. ग्रामीण अध्ययन 2. संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, प्रभु जाति 3. सार्वभौमीकरण, स्थानीयकरण 4. लघु एवं वृहत परंपरा	**13**	**1**	**1**	**15**	**33.33%**

मॉड्यूल 3	1. आदिवासी अध्ययन 2. जनजाति-जाति निरंतरता, 3. प्रकृति-मानव-आत्मा संकुल 4. पवित्र संकुल	**13**	**1**	**1**	**15**	**33.33%**
योग		**39**	**3**	**3**	**45**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

11 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

12 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

- **अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/**

(Text books/Reference/Resources)

- Dube S. C. (1992) Indian Society. National Book Trust, India: New Delhi
- Hasnain, Nadeem (1991) Indian Anthropology. Palaka Prakashan, New Delhi
- Srinivas M. N. (1959) The Dominant Caste in village Rampura. American Anthropologist
- Srinivas, M. N. (1952) Religion and Society among the Coorgs of South India. Oxford: Clarendow Press

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA603	**पेपर का नाम : क्षेत्रकार्य एवं क्षेत्रकार्य रिर्पोट**	3. क्रेडिट: 03
	सेमेस्टर:06	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**0**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**5**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**40**
कुल क्रेडिट घंटे	45

पाठ्यचर्या विवरण

1. विभाग द्वारा चयनित स्थान में न्युनतम तीन सप्ताह का क्षेत्रकार्य।
2. (क) क्षेत्रकार्य रिर्पोट का मुख्य पृष्ठ
   - क्षेत्रकार्य का शीर्षक क्रमश: हिंदी एवं अंग्रेजी में
   - एम.ए. उपाधि हेतु प्रस्तुत क्षेत्रकार्य रिर्पोट
   - विद्यार्थी एवं क्षेत्र-कार्य निर्देशक का नाम
   - विश्वविद्यालय का 'लोगो'
   - प्रस्तुति वर्ष
   - विभाग एवं विश्वविद्यालय का क्रमश: पूरा नाम

   (ख) शोध प्रबंध (संदर्भ पद्धति : APA, कोकिला/यूनीकोड, फॉन्ट साइज-16, दो लाइनों के बीच की दूरी 1.5, पीडीएफ) तीन प्रतियां

   (ग) शोध-प्रबंध का प्रस्तावित प्रारूप:
   - i. घोषणा-पत्र/प्रमाणपत्र (विद्यार्थी एवं क्षेत्रकार्य निर्देशक की ओर से एक ही होगा)
   - ii. भूमिका
   - iii. विषयानुक्रमणिका
   - iv. संक्षिप्ताक्षर (यदि आवश्यक हो)
   - v. अध्यायवारमूल अतर्वस्तु
   - vi. संदर्भ सूची
   - vii. परिशिष्ट (यदि आवश्यकता हो)
3. मौखिकी (प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिकी हेतु न्युनतम बीस मिनट प्रदान किए जाएंगे, पीपीटी प्रस्तुतीकरण अपेक्षित होगा)

अपेक्षित अधिगम परिणाम

- विद्यार्थी क्षेत्रकार्य करना सीखेंगे।
- विद्यार्थी क्षेत्रकार्य के दौरान आंकड़े एकत्रित करने की विभिन्न प्रविधियां एवं तकनीकों का प्रयोग करना सीखेंगे।
- विद्यार्थी आंकड़ो का विश्लेषण और प्रस्तुतिकरण करना सीखेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
क्षेत्रकार्य एवं क्षेत्रकार्य रिर्पोट पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

9. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन परीक्षा योजना /**

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)